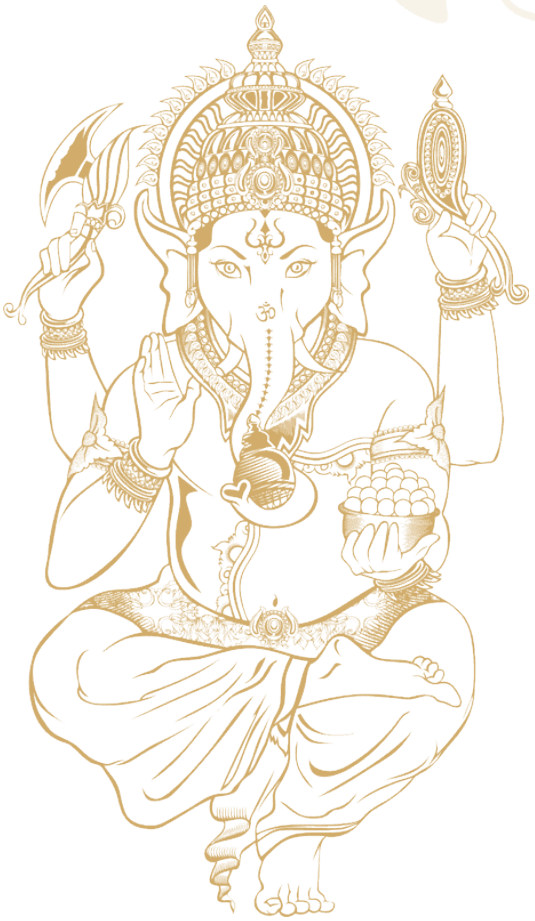

Mr.

16 Apr 1997

09:15 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121792908

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/04/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:15:00 घंटे**
इष्ट	09:16:56 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:18:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:10 घंटे
साम्पातिक काल	22:55:51 घंटे
सूर्योदय	05:32:13 घंटे
सूर्यास्त	18:20:50 घंटे
दिनमान	12:48:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:22:58 मेष
लग्न के अंश	03:01:35 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:01:35	335:38:22	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मेष	02:22:58	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	18:19:19	11:52:36	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल	व		सिंह	23:47:10	00:09:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व		मेष	15:46:08	00:07:00	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मक	23:41:36	00:09:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	नीच राशि
शुक्र		अ	मेष	05:52:27	01:14:14	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	मीन	18:27:11	00:07:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
राहु			कन्या	04:38:38	00:01:37	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:38:38	00:01:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:33:11	00:01:20	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:04:13	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:23:01	00:01:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	18:46:58	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:08

लग्न-चलित

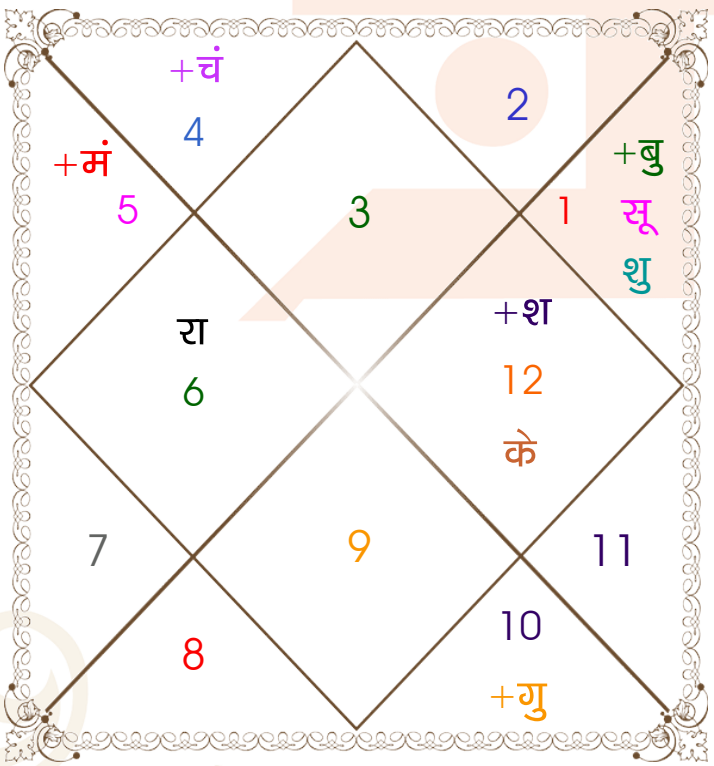

चन्द्र कुंडली

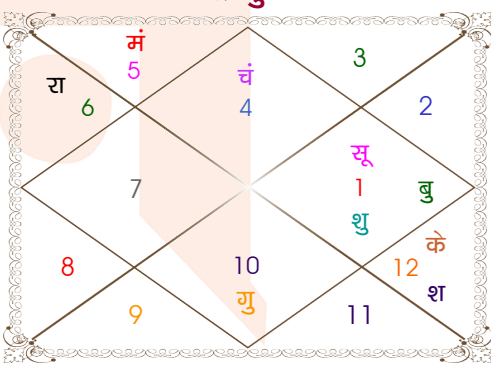

नवमांश कुंडली

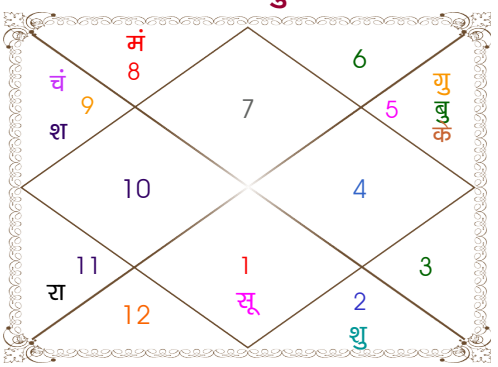

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 10 मास 20 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/04/1997		06/03/2012		07/03/2019		07/03/2039		07/03/2045	
06/03/2012		07/03/2019		07/03/2039		07/03/2045		07/03/2055	
बुध	03/08/1997	केतु	02/08/2012	शुक्र	07/07/2022	सूर्य	25/06/2039	चंद्र	05/01/2046
केतु	31/07/1998	शुक्र	03/10/2013	सूर्य	07/07/2023	चंद्र	24/12/2039	मंगल	06/08/2046
शुक्र	31/05/2001	सूर्य	07/02/2014	चंद्र	07/03/2025	मंगल	30/04/2040	राहु	05/02/2048
सूर्य	06/04/2002	चंद्र	08/09/2014	मंगल	07/05/2026	राहु	25/03/2041	गुरु	06/06/2049
चंद्र	06/09/2003	मंगल	05/02/2015	राहु	06/05/2029	गुरु	11/01/2042	शनि	05/01/2051
मंगल	02/09/2004	राहु	23/02/2016	गुरु	05/01/2032	शनि	24/12/2042	बुध	06/06/2052
राहु	22/03/2007	गुरु	29/01/2017	शनि	07/03/2035	बुध	30/10/2043	केतु	05/01/2053
गुरु	27/06/2009	शनि	10/03/2018	बुध	05/01/2038	केतु	06/03/2044	शुक्र	05/09/2054
शनि	06/03/2012	बुध	07/03/2019	केतु	07/03/2039	शुक्र	07/03/2045	सूर्य	07/03/2055

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/03/2055		07/03/2062		06/03/2080		06/03/2096		08/03/2115	
07/03/2062		06/03/2080		06/03/2096		08/03/2115		00/00/0000	
मंगल	03/08/2055	राहु	17/11/2064	गुरु	25/04/2082	शनि	10/03/2099	बुध	17/04/2117
राहु	21/08/2056	गुरु	13/04/2067	शनि	05/11/2084	बुध	18/11/2101		00/00/0000
गुरु	28/07/2057	शनि	17/02/2070	बुध	11/02/2087	केतु	28/12/2102		00/00/0000
शनि	05/09/2058	बुध	05/09/2072	केतु	18/01/2088	शुक्र	27/02/2106		00/00/0000
बुध	03/09/2059	केतु	23/09/2073	शुक्र	18/09/2090	सूर्य	09/02/2107		00/00/0000
केतु	30/01/2060	शुक्र	23/09/2076	सूर्य	07/07/2091	चंद्र	09/09/2108		00/00/0000
शुक्र	31/03/2061	सूर्य	18/08/2077	चंद्र	05/11/2092	मंगल	19/10/2109		00/00/0000
सूर्य	06/08/2061	चंद्र	17/02/2079	मंगल	12/10/2093	राहु	25/08/2112		00/00/0000
चंद्र	07/03/2062	मंगल	06/03/2080	राहु	06/03/2096	गुरु	08/03/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 10 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।